हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

WWW.JANVEENA.COM

जनवीणा

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 12 | अंक : 39 | लखनऊ, 21 सितम्बर, 2023 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

क्रिकेट से भी ज्यादा दीवानगी मोटो जीपी रेस की, इस इवेंट से 200 देशों में ब्रांड यूपी किया जाएगा प्रमोट

लखनऊ। आयोजन के टिकट की कीमत 1.80 लाख रुपये तक रखी गई है। इसके जरिये 200 से ज्यादा देशों में यूपी को एक ब्रांड के रू में स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश रेसिंग स्पोर्ट्स का भारत का इकलौता हब बनकर उभरेगा।

उत्तर प्रदेश मोटो जीपी भारत 2023 आयोजन के जरिये वैश्विक पटल पर अपनी छवि और मजबूत करेगा। 22 से 24 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में पहली बार इस इवेंट की मेजबानी प्रदेश सरकार कर रही है। इसके जरिये उत्तर प्रदेश को 200 से अधिक देशों में बतौर ब्रांड यूपी स्थापित करने का मौका मिलेगा। वहीं, प्रदेश रेसिंग स्पोर्ट्स का भारत का इकलौता हब बनकर उभरेगा। इसका रोडमैप नोडल एजेंसी इन्वेस्ट यूपी ने तैयार किया है। तीन दिन के रेसिंग शो में रोजाना डेढ़ लाख लोग हिस्सा लेंगे। दर्शकों की संख्या के आधार पर रेसिंग को लेकर ये दीवानगी क्रिकेट से ज्यादा है।

प्रदेश में इस वर्ष 10 से 12 फरवरी के बीच वैश्विक निवेशक सम्मेलन के जरिये 37 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आया। अब मोटो जीपी आयोजन के दौरान दुनिया भर के प्रतिष्ठित ब्रांड यूपी में मौजूद रहेंगे। इनमें रेडबुल, शेल, बी-विन, बीएमडब्लू, ओकले, मॉन्सटर, मोटुल, टिसॉट, रेपसॉल, पोलिनी, गो प्रो, होंडा, मिशेलिन, अमेजन, डीएचएल व पेट्रोनॉस जैसी 275 दिग्गज कंपनियां शामिल हैं। इनके सीईओ भी शिरकत करने आ रहे हैं। इनके साथ सरकार के वरिष्ठ अधिकारी बैठक करेंगे। अगर प्रदेश में इन कंपनियों के निवेश का रास्ता साफ हो गया तो ब्रांड यूपी की वैश्विक स्वीकार्यता में बढ़ोतरी होगी।

1.80 लाख रुपये तक का टिकट

इस रेसिंग इवेंट में साढ़े चार लाख से ज्यादा लोग हिस्सा लेंगे। विदेशों से 10 हजार लोग बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट आएंगे। वहीं, इस इवेंट का 200 देशों में सीधा प्रसारण होने से 45 करोड़ से अधिक लोग देखेंगे। टिकटों की कीमत 800 से लेकर 1.80 लाख रुपये तक है। तीन दिन में 20 रेस होंगे। फाइनल रेस 24 सितंबर को होगी। इसमें 11 टीमें हिस्सा ले रही हैं। दुनिया के 110 देशों से रेसिंग इवेंट के शौकीन दर्शक ग्रेटर नोएडा का रुख कर रहे हैं।

पोस्टरों पर भी दिख रही यूपी की झलक

मोटो जीपी रेसिंग इवेंट में निवेश, पर्यटन, उद्योग समेत व्यापारिक दृष्टिकोण से छिपी संभावनाओं को तलाशने को भी योगी सरकार प्रमुखता दे रही है। यही वजह है कि मोटो जीपी के कवर में ताजमहल व वाराणसी के घाट फोकस में दिख रहे हैं।

भगवान राम से जुड़े स्थानों को देंगे पहचान, हर जगह स्थापित होगा राम स्तंभ

लखनऊ। भगवान श्रीराम से जुड़े स्थानों पर एक स्तंभ की स्थापना की जाएगी। जिसका पूरा खर्च अशोक सिंघल फाउंडेशन वहन करेगा। इसकी जानकारी श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने दी।

अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का 70 फीसदी काम पूरा हो चुका है और अब प्राण प्रतिष्ठा समारोह को भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। समारोह का आयोजन जनवरी के महीने में होगा। मंदिर निर्माण के साथ ही भगवान श्रीराम के जीवन और महत्व से जुड़े स्थानों को भी पहचान दी जाएगी। इसे ध्यान में रखते अशोक सिंघल फाउंडेशन ने योजना तैयार की है जिसका जिक्र श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने किया है।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि दिल्ली में स्थित अशोक सिंघल फाउंडेशन ने विचार दिया है कि भगवान श्रीराम के जीवन और महत्व से जुड़े स्थानों पर फाउंडेशन की तरफ से एक विशेष स्तम्भ की स्थापना की जाएगी। जिस पर उस स्थान के बारे में वाल्मीकि रामायण में वर्णित श्लोक और उनका अर्थ स्थानीय भाषा में लिखा जाएगा।

इस पूरे कार्य के लिए सरकार से कोई आर्थिक सहयोग नहीं लिया जाएगा बल्कि पूरा खर्च अशोक सिंघल वहन फाउंडेशन करेगा। उन्होंने बताया कि पहला स्तंभ 27 सितंबर को अयोध्या पहुंच जाएगा जिसे मणि पर्वत पर स्थापित किया जाएगा।

अयोध्या में दीपोत्सव: 21 लाख दीये प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य

लखनऊ। अयोध्या में दीपोत्सव पर इस बार 21 लाख दीये प्रज्जवलित किए जाएंगे। इस कार्य में करीब 25 हजार वालंटियर्स को जिम्मेदारी दी गई है। दीपोत्सव मेले में इस बार सरयू तट पर 21 लाख दीये प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य है। इसकी तैयारी को लेकर मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव ने बैठक की। इसमें सभी विभागों को जिम्मेदारी दी गई। जिलाधिकारी के आवासीय सभागार में आयोजित बैठक में निदेशक पर्यटन/नोडल अधिकारी दीपोत्सव प्रखर मिश्रा व एडीएम सिटी/मेलाधिकारी सलिल कुमार पटेल मौजूद रहे। एडीएम ने बैठक में बताया कि नौ नवंबर को गोवस्त द्वादशी, 10 नवंबर को धन त्रयोदशी, 11 नवंबर को नरक चतुर्दशी/छोटी दीपावली दीपोत्सव और 12 नवंबर को दीपोत्सव का पर्व होगा। बताया कि इस दीपोत्सव पर 21 लाख दीयों को प्रज्ज्वलित कर नया कीर्तिमान स्थापित करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए 25 हजार वालंटियर लगाए जाएंगे। बैठक में दीपोत्सव में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों से संबंधित संस्कृति, सूचना, पर्यटन, नगर निगम, परिवहन, उद्यान, विद्युत, सिंचाई, लोक निर्माण विभाग, चिकित्सा आदि के अफसरों ने अपने विभाग से तैयारियों के बारे में जानकारी दी। अफसरों को सप्ताह भर में इस पर कार्रवाई तेज करने का निर्देश दिया गया। बैठक में दीपोत्सव पर अयोध्या के प्रमुख धार्मिक स्थलों, प्रमुख स्थानों पर दीप प्रज्जवलन, चौदह कोसी एवं पंचकोसी परिक्रमा एवं कार्तिक पूर्णिमा मेला को सकुशल संपन्न कराए जाने के संबंध में चर्चा की गई। एडीएम सलिल पटेल ने बताया कि चौदह कोसी परिक्रमा/अक्षय नवमी 20 नवंबर को प्रात: 02.09 बजे से प्रारंभ होकर 21 नवंबर को रात्रि 11:38 बजे पर समाप्त होगी। पंचकोसी परिक्रमा 22 नवंबर को रात्रि 09.25 बजे से प्रारंभ होकर 23 नवंबर को शाम 07.21 बजे समाप्ति होगा।

सम्पादकीय

मोदी का मेक इन इंडिया हिट' और जी-20 'सुपर हिट'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का थीम 'मेक इन इंडिया पूरी दुनिया में सिर चढ़ कर बोल रहा है। पिछले दिनों रूस के राष्ट्रपति श्री पुतिन ने अपने यहां एक समारोह में रूस वालों से अपील की कि अगर तरक्की करनी है तो हमें 'मेक इन इंडिया के प्रधानमंत्री मोदी को अपनाना होगा। दरअसल वे अपने यहां ईस्टर्न इकोनॉमिक फार्म में बोल रहे थे और उन्होंने अपने देशवासियों से कहा कि उन्हें रूस में बनी कारें ही इस्तेमाल करनी चाहिए। इस कड़ी में उन्होंने कहा कि भारत के पीएम नरेंद्र मोदी का 'मेक इन इंडिया थीम सराहनीय है जिसके दम पर भारत के प्रोडक्ट्स दुनियाभर में छा रहे हैं। जी-20 सम्मेलन की सफलता तो भारत के लिए ऐतिहासिक है ही लेकिन इस सम्मेलन के फौरन बाद पुतिन का यह बयान बहुत अहमियत रखता है। हमारा मानना है कि मेक इन इंडिया के तहत सुई से लेकर जहाज निर्माण तक भारत सबकुछ राष्ट्रीय स्तर पर बना रहा है। यही वजह है कि हमारा आयात-निर्यात अलग ही बुलंदियों के रिकॉर्ड कायम कर रहा है। ऑटो इंडस्ट्री, कपड़ा, टीवी, औद्योगिक ढांचा, मोबाइल कल तक हमें तकनीक तक बाहर से लेनी पड़ती थी लेकिन मोदी सरकार के चलते अब 'मेक इन इंडिया मंत्र के तहत घरेलू उत्पादन तेजी से तरक्की की राह पर है। इसके लिए हमें प्रधानमंत्री मोदी, उनकी सरकार, उनके सहयोगियों को बधाई देनी चाहिए। साथ ही यह भी स्पष्ट कर देना चाहिए कि इसे किसी राजनीति से नहीं बल्कि भारतीयता के तहत देखा जाना चाहिए अर्थात यह भारत की एक बड़ी जीत है और ऐसी उपलब्धि है जिस पर प्रत्येक नागरिक गर्व महसूस कर सकता है। यह 'मेक इन इंडिया का ही कमाल के व्हाट्सऐप का चौनल फीचर अब भारत में भी आ चुका है वरना कल तक इसकी शुरूआत अमरीका समेत दस देशों में हुई थी लेकिन दुनिया के सबसे लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सऐप ने इसमें भारत को भी शामिल कर लिया है और अब सोशल मीडिया प्रेमी किसी भी चौनल को फॉलो करने के लिए सर्च डायरेक्टरी में जाकर अपने शौक के मुताबिक स्पॉर्ट्स टीमों का अपडेट प्राप्त कर सकेंगे। जब एक देश का दुनिया में नाम गूंजता है तो उसे कोई भी नजरंदाज नहीं कर सकता। आओ अब भारत में संपन्न हुए जी-20 समिट की सफलता की बात कर लें कि किस तरह से हमने इतिहास रचा है। दुनियाभर के अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, जर्मनी, कनाडा और रूस जैसे देशों के साथ पीएम मोदी ने अफ्रीकी देशों को भी जोड़ दिया। अफ्रीकी देशों को इसका सदस्य बनाकर पीएम मोदी ने सिद्ध कर दिया कि दुनिया की सर्वशक्तिमान ताकतों में भारत की एंट्री लगभग तय है। अमरीका, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, रूस और कनाडा व आस्ट्रेलिया अब भारत के बिना नहीं चल सकते। चाहे अमरीकी राष्ट्रपति बाइडेन हो या फ्रांस के राष्ट्रपति मेक्रों हो या फिर यूके के प्रधानमंत्री सुनक हो या फिर कनाडा के जस्टिन ट्रूडो हो भारत की मेजबानी में जी-20 के प्रस्तावों को हर किसी ने सराहा। संदेश यही था कि आर्थिक विकास के लिए पूरी दुनिया को एक होना होगा। पीएम मोदी ने जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ मूल्य नियंत्रण और आर्थिक मंदी को लेकर सभी प्रस्ताव इसमें रखे थे और पूरा समर्थन मिला। हालांकि सबसे बड़ी बात रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर थी और इस मामले में भी यह बात स्पष्ट की गई कि युद्ध किसी के लिए भी ठीक नहीं है। दुनिया के विकास का मार्ग युद्ध से होकर नहीं गुजरता बल्कि एक-दूसरे के करीब आने से एक धरती, एक विश्व, एक परिवार अर्थात वासुदेव कुटुंबकम के मंत्र पर दुनिया को चलना होगा।भारत की अध्यक्षता में अफ्रीकी देशों को अपने साथ जोड़कर और विशेष रूप से साऊदी अरब के प्रिंस सलमान के साथ भारत ने जो ऐतिहासिक समझौते किए वह काबिले तारीफ है। मीडिलईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कारिडोर को लेकर पीएम मोदी के आह्वान को ताकत मिली है और भारत से यूरोप तक जब रेल मार्ग बन जायेगा तो रास्ते में पड़ने वाले देशों को ऊर्जा और ईंधन की जरूरत भारत के इस प्रस्ताव से पूरी हो जायेगी। भारत-साऊदी अरब कर्मिशयल मार्ग के लिए साऊदी अरब के प्रिंस ने बीस अरब डॉलर की धनराशि भी पेश की है। कुल मिलाकर सभी राष्ट्र इस आयोजन के लिए भारत के पीएम को बधाई दे रहे हैं और खुद पीएम मोदी ने इस समिट की सफलता के लिए सरकार के पुलिस से लेकर गार्ड तक, संत्री से लेकर मंत्री तक हर किसी को बधाई दी है और इसी मंत्र के साथ दुनिया के नक्शे पर भारत का शांति का संदेश भी दिया है। तो इसलिए 'मेक इन इंडिया को हमारी कलम का सैल्यूट तो बनता है। जय हिंद-जय भारत।

नारी शक्ति वंदन उर्फ महिला आरक्षण

बिमलेश

चुनावी साल में हार की आशंकाओं के बीच जूझ रही भाजपा ने 19 सितम्बर को फिर एक चुनावी दांव चला। दांव पुराना था, लेकिन मोदी सरकार ने अपने चलन के अनुरूप उस पर नया मुलम्मा चढ़ाकर इस तरह पेश किया, मानो यह उसी की पहल हो। 19 सितम्बर, 2023 को संसद के विशेष सत्र के दूसरे दिन संसद के नए भवन से कामकाज शुरु हुआ। मोदी सरकार ने इसके लिए गणेश चतुर्थी का दिन ही क्यों चुना, ये समझना कठिन नहीं है। हिंदुओं के लिए गणेश चतुर्थी का दिन खास मायने रखता है। पहले गणेश उत्सव महाराष्ट्र के अलावा कुछ गिने-चुने राज्यों में ही धूमधाम से मनाया जाता था। लेकिन सिनेमा और टीवी की पहुंच और प्रभाव के कारण धीरे-धीरे सारे देश में इसका दायरा बढ़ने लगा। लेकिन फिर भी इस दिन को राजनैतिक तौर पर भुनाने की कोशिश अब तक किसी सरकार ने नहीं की। श्री मोदी यहां भी कीर्तिमान स्थापित कर गए। गणेश चतुर्थी के दिन संसद में प्रवेश से पहले, वे सेंट्रल विस्टा का उद्घाटन पंडितों की मौजूदगी में मंत्रोच्चार के बीच कर चुके हैं और दोनों ही अवसरों पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का न होना कई सवालों को खड़े कर देता है। राष्ट्रपति महोदया को इन महत्वपूर्ण अवसरों पर मोदी सरकार ने क्यों शामिल नहीं किया, इसका जवाब वही दे सकते हैं। लेकिन एक बात दीवार पर लिखी इबारत की तरह स्पष्ट है कि संसद के कामकाज में भगवान और पूजा पाठ शामिल कर मोदी सरकार ने संविधान की भावना का अनादर किया, जो धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या करता है। मोदी सरकार ने लोकतंत्र के लिए सबसे जरूरी इस मंच को एक धर्म तक समेटने की कोशिश की, ताकि इसका लाभ उन्हें चुनाव में मिल सके। श्री मोदी के पास जनवरी में राम मंदिर के उद्घाटन का मौका अभी बचा है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी को अपनी सत्ता के हिलने का अहसास होने लगा है और इसलिए वे इस वक्त किसी भी मौके को चूकना नहीं चाहते।

संसद में कई दशकों से महिला आरक्षण पर कानून बनाने की मांग हो रही है। मोदी सरकार ने अपने 9 सालों के कार्यकाल में तो अब तक इस पर कुछ नहीं किया था, लेकिन लोकसभा चुनाव में जब साल भर भी नहीं बचे हैं, तो श्री मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम नाम का जिक्र संसद में किया और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इसे सदन के पटल पर रखा। इस विधेयक के पारित होने के बाद लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या बढ़कर 181 हो जाएगी। मौजूदा समय में लोकसभा में कुल सदस्य संख्या 543 है। और इस वक्त महिला सांसदों की संख्या 82 है। विधेयक में संविधान के अनुच्छेद-239 एए के तहत राजधानी दिल्ली की विधानसभा में भी महिलाओं को 33प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। यानी, दिल्ली विधानसभा में भी 70 में से 23 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगी। अन्य राज्यों की विधानसभाओं में भी महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाएगा। जो लोकसभा या विधानसभा सीट महिलाओं के एक चुनाव में आरक्षित होगी अगले चुनाव में वही सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित नहीं होंगी। बल्कि अन्य 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। इसके बाद जो तीसरा चुनाव होगा उसमें बची हुई 33 प्रतिशत सीटों को महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाएगा। इस विधेयक के ऐसे प्रावधानों को सुनकर लगता है कि देश में कोई अभूतपूर्व क्रांति होने वाली है। महिलाओं को एकदम से शक्ति मिलने वाली है। एक झटके में सारी व्यवस्था सुधर जाएगी, महिला विरोधी मानसिकता ठीक हो जाएगी। लेकिन हकीकत फिलहाल ऐसी नहीं है। विधेयक के मसौदे पर में यह लिखा है कि इसे संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) अधिनियम 2023 के प्रारंभ होने के बाद होने वाली पहली जनगणना के प्रासंगिक आंकड़े प्रकाशित होने के बाद लागू किया जा सकेगा। इसे निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन या पुनर्निर्धारण के बाद लागू किया जाएगा। लागू होने के बाद अधिनियम 15 वर्ष तक प्रभावी रहेगा। अगली जनगणना कब तक होगी, इसका कोई ठिकाना नहीं है, क्योंकि सरकार की प्राथमिकता में शायद जनगणना के आंकड़े जुटाना है ही नहीं। जब तक जनगणना नहीं होगी, तब तक महिला, पुरुष, अजा, जजा, ओबीसी इन सब के ताजा आंकड़े नहीं आएंगे और जब आंकड़े ही नहीं होंगे, तो आरक्षण की व्यवस्था किस तरह होगी, ये बड़ा सवाल है। यह निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन और कानून लागू होने के बाद पहली जनगणना के बाद ही संभव हो पाएगा। इसका यही मतलब है कि संसद के नए भवन में प्रवेश के साथ ही मोदी सरकार ने जिस तरह महिला आरक्षण को एक नए नाम नारी शक्ति वंदन अधिनियम के साथ पेश किया, वो सभी दलों से विचार-विमर्श के बाद पूरी तैयारी के साथ पहले या बाद में भी पेश हो सकता था, लेकिन सरकार ने इसी दिन को चुना ताकि अपना नाम इतिहास में दर्ज करा सके। श्री मोदी ने इस विधेयक के बारे में बोलते हुए कहा भी कि ईश्वर ने इस शुभ काम के लिए शायद मुझे चुना है। इस वक्तव्य में श्रेय बटोरने की हड़बड़ी साफ दिखाई देती है। क्योंकि मोदी सरकार ये जानती है कि महिला आरक्षण का विचार राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल से ही पनपना शुरु हुआ है, और बाद की तमाम सरकारों ने अपने-अपने स्तरों पर इसे पारित करवाने की कोशिश की। 2010 में सोनिया गांधी के प्रयासों से राज्यसभा तक में महिला आरक्षण विधेयक पारित हो गया, लेकिन तब राजद, सपा जैसे दलों की कुछेक आपत्तियों के कारण लोकसभा में लटक गया। महिला आरक्षण विधेयक के लटकने-अटकने का इतिहास तो सबको ज्ञात है, लेकिन अब मोदी सरकार ने इसके नाम पर भटकाने का रास्ता भी प्रशस्त कर दिया। सरकार ने यही इशारा दिया है कि केवल वही महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रयासरत है, जबकि यह पूरा सच नहीं है। आधे-अधूरे सच और आधी-अधूरी तैयारियों के साथ महिला आरक्षण या नारी शक्ति वंदन अधिनियम किस दिशा में बढ़ता है और किस दशा को प्राप्त होता है, ये जानने के लिए इंतजार करना होगा।

खेत-खलिहान से

डा. के.के.पाठक, कृषि वैज्ञानिक

गतांक से आगे

कद्दू सब्जी :

कद्दू एक लोकप्रिय पोषक तत्वों से भरपूर सब्जी है। इसमें अनेक औषधीय गुण पाये जाते हैं जो मानव स्वस्थ्य के लिये अत्यंत लाभकारी हैं। इसमें कैल्शियम, फास्फोरस, मैंग्नीशियम, पोटैशियम, आयरन, प्रोटीन, फाईबर, कार्बोहाईड्रेट, वसा, ऊर्जा और शर्करा आदि प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। कद्दू खाने से विषाणु, कवक और जीवाणु से होने वाली बीमारियों से छुटकारा मिल जाता है। यह एंटीआक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है और सूगर के स्तर को कम करता जो मधुमेह रोगियों के लिये अत्यंत लाभकारी है। धमनियों में लो ब्लड प्रेशर के कारण जो हाईपरटेंशन होता है, कद्दू का बीज इसे कम करता है। मोटापे की समस्या का समाधान भी इसमें पाया गया है। विभिन्न शोधों से पता चला है की स्तन और प्रोस्टेट कैंसर को कद्दू पनपने नहीं देता। यह त्वचा, हड्डी, दांत के साथ साथ स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिये लाभदायक है। इसके सेवन से ह्रदय रोग का जोखिम को कम करने के साथ शरीर में प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। मानसिक स्वास्थ्य, डिप्रेशन में कद्दू का सेवन बहुपयोगी पाया गया है। अल्सर में कद्दू खाने की सलाह दी गयी है।

नुकसान = इसके जादा खाने से गैस की सम्भावना बनती है। कुछ लोगों को एलर्जी हो सकती है, सूगर का स्तर घट सकता है।

लौकी सब्जी :

लौकी पूरे देश में साल भर खाई जाती है। इसमें बहुत सारे पोषक तत्व पाये जाते हैं, जैसे- कैल्शियम, पोटैशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, सोडियम, विटामिन बी, विटामिन सी, कार्बोहाईड्रेट, प्रोटीन, लिपिड, जिंक, कापर, मैंगनीज, सेलेनीयम, राईबोफ्ल्वीन, थायमिन, पैंटोथेनिक एसिड, नियासिन, फोलेट प्रमुख हैं। लौकी का सेवन स्वास्थ्य के लिये लाभप्रद पाया गया है, विशेषकर लीवर का फंक्शन सुचारु रूप से होता है। लौकी मस्तिष्क को स्वस्थ्य बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। याददास्त अच्छी बनी रहती है। विभिन्न शोधों से पता चला है कि लौकी के सेवन से कैन्सर की कोशिकाओं को कमजोर करने के साथ प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता जिससे कैन्सर की सम्भावना नगण्य हो जाती है। इसका जूस विशेष हितकारी है। इसमें पाया जाने वाला उच्च फाईबर मधुमेह के लिये बहुत ही लाभकारी पाया गया है। मोटापे के साथ त्वचा एवं पाचन के लिये लौकी बहुउपयोगी है।

नुकसान :

लौकी के अधिक सेवन से बचें। वैसे नुकसान कोई नही पाया गया है।

हापुड़ लाठीचार्ज के विरोध में आज भी हड़ताल पर रहे वकील

लखनऊ (यूएनएस)। हापुड़ में वकीलों पर कथित लाठीचार्ज के विरोध में लखनऊ और हापुड़ में वकील बुधवार को भी हड़ताल पर रहे। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल ने लखनऊ में राज्य के मुख्य सचिव के साथ बातचीत के बाद 14 सितंबर को हड़ताल वापस ले ली थी। हालांकि, लखनऊ बार एसोसिएशन ने न्यायिक कार्य से विरत रहने का फैसला किया। लखनऊ बार एसोसिएशन के महासचिव कुलदीप नारायण ने बताया कि लखनऊ बार एसोसिएशन की आम सभा की बैठक मंगलवार को हुई, जिसमें वकीलों ने 21 सितंबर तक न्यायिक कार्य से दूर रहने और उस दिन भविष्य की कार्रवाई पर फैसला करने का फैसला किया। महासचिव ने कहा कि हापुड़ लाठीचार्ज में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई और इससे वकीलों में आक्रोश है। हम हापुड़ के वकीलों के साथ हैं। यूपी बार काउंसिल द्वारा हड़ताल वापस लेने के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने 15 सितंबर को हापुड़ के अपर पुलिस अधीक्षक सहित तीन अधिकारियों का तबादला कर दिया गया था। पुलिस अधीक्षक (हापुड़) अभिषेक वर्मा ने बताया था कि सरकार के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) मुकेश चंद्र वर्मा, क्षेत्राधिकारी (शहर) अशोक कुमार सिसोदिया और हापुड़ नगर के थाना प्रभारी सतेंद्र प्रकाश सिंह को जिले से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया है।

देश की बेटी!

मैं उस देश की बेटी हूँ,
जिसकी संस्कृति में पवित्रता
और सभ्यता में नैतिकता है।
वो देश, जो कभी
सत्यम शिवम सुंदरम्
तो कभी वंदे मातरम्
तो कभी पंजाब सिंध गुजरात
मराठा द्राविड़ उत्कल बंग है।

मैं उस देश की बेटी हूँ,
जहाँ रानी लक्ष्मी बाई, रानी दुर्गावती,
रानी चेनम्मा जैसी वीरांगनाएं
जिस देश में जन्मी हैं...
हाँ,
मैं उस देश की बेटी हूँ,
जहाँ प्राचीन शास्त्र, पुराण,
वेद एवं उपनिषद ने
इस देश को उज्ज्वल बनाया है।
आखिर इसी देश से तो हमने
अपना अविस्मरणीय इतिहास पाया है...

शून्य, दशमलव, अंकगणित का
ज्ञान दिया मेरे देश ने,
चाँद पर भी पहुंच सके हम
ऐसा विज्ञान दिया मेरे देश ने।

मैं उस देश की बेटी हूँ,
जहाँ जवान
माइनस बीस तापमान में भी
राइफल लेकर जंग पर निकलते हैं...
ऐसे वीरों को मेरा सलाम
जो हमारी सुरक्षा के लिए
मैदान में डटकर लड़ते हैं...
मैदान में डटकर लड़ते है....

चेतना तिवारी
बी.काम. प्रथम वर्ष
आई.टी.कालेज, लखनऊ

हिंदी हमारी आन है, हिंदी हमारी शान है

हिंदी हमारी आन है, हिंदी हमारी शान है।
हिंदी हमारी चेतना, वाणी का शुभ वरदान है।।

हिंदी हमारी वर्तनी, हिंदी हमारा व्याकरण,
हिंदी हमारी संस्कृति, हिंदी हमारा आचरण,
हिंदी हमारी वेदना, हिंदी हमारा गान है।

हिंदी हमारी आत्मा है, भावना का साज़ है,
हिंदी हमारे देश की हर तोतली आवाज़ है,
हिंदी हमारी अस्मिता, हिंदी हमारा मान है।

हिंदी निराला, प्रेमचंद की लेखनी का गान है,
हिंदी में बच्चन, पंत, दिनकर का मधुर संगीत है,
हिंदी में तुलसी, सूर, मीरा, जायसी की तान है।

जब तक गगन में चांद, सूरज की लगी बिंदी रहे,
तब तक वतन की राष्ट्रभाषा ये अमर हिंदी रहे,
हिंदी हमारा शब्द, स्वर, व्यंजन अमिट पहचान है।
हिंदी हमारी चेतना, वाणी का शुभ वरदान है।

आयुषी दीक्षित
बीएससी, प्रथम वर्ष
आई.टी. कालेज, लखनऊ

सत्य का अब ज्ञान होगा!

बाबर, अकबर, मुगल राज,
इतिहास इसी को जाना है।
सारी पीढ़ी रटी बैठकर,
और नहीं कुछ जाना है।
केसरिया मिट्टी का
बलिदान हमें मालूम नहीं,
अमर वीर सुत तनया का
यशगान हमें मालूम नहीं।
सारे जग में प्रेम प्रतीक बस
ताजमहल को माना है,
राणा जैसे वीरों को
हमने कब पहचाना है।
शिवाजी के शौर्य का हमको
कोई ज्ञान नहीं,
गोरा बादल के साहस पर क्यों
कोई अभिमान नहीं ?
बस मुगलों को पढ़ते आए,
सत्य का कोई ज्ञान नहीं।
जहांगीर को खूब पढ़ा,
न चंद्रगुप्त को जाना है।
स्वर्णिम युग की अन्वेषक को
हमने कब पहचाना है।
लक्ष्मीबाई बलिदान हुई,
इस एक बात को जाना है,
पर वीरांगना के तेज को
क्या भावना ने माना है ?
जीवित पावक धारक थी,
ये बात हमे मालूम नहीं,
काना और मंदा का
बलिदान हमें मालूम नहीं।
भाइयों के हत्यारे
औरंगजेब को हमने जाना है,
परम तपस्वी पूज्य भरत को
हमने कब पहचाना है।
बस हिम्मतवाला बाबर की
औलाद को हमने जाना है,
सालों साल केवल मिथ्या को ही पाला है।
पर नवीन भारत को
यह बात कतई बर्दाश्त नहीं,
लुटेरे को महान कहे वह
इतिहास हमें स्वीकार नहीं।
बदल रहा समय,
सत्य का अब ज्ञान होगा।
निज मिट्टी पर अभिमान होगा,
पोरस का यशगान होगा,
निष्पक्ष अब इतिहास होगा।
अब अहिल्याबाई के
सामर्थ्य का अभिज्ञान होगा,
पन्नाधाय का सम्मान होगा।
मुगल काल में नारी ना जानी,
अब शक्ति का शंखनाद होगा।
पद्मिनी के जौहर का
सारे जग में प्रकाश होगा,
दुर्गावती की शमशीर से
गोदमवना कीर्तिमान होगा।
ऐसे भारतवर्ष पर
हर एक को अभिमान होगा,
जहां घोड़ा भी चेतक समान होगा

नव्यांशी मिश्रा
बीएससी प्रथम वर्ष
आई.टी.कालेज, लखनऊ

इसाबेला थोबर्न कॉलेज में हिन्दी दिवस पर सारस्वत आयोजन

हिन्दी के आंचल में सभी भाषाओं का सम्मान : डा. शशिकान्त

लखनऊ। राजधानी के आईटी कॉलेज में गत 14 सितम्बर को काव्य की रसधारा प्रवाहित हुई। महाविद्यालय की छात्राओं ने स्वरचित कविताओं का पाठ कर अपनी प्रतिभा दिखाई। हिंदी विभाग के तत्वावधान में आयोजित हिंदी दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पधारे हिंदी हितकारिणी सभा के महासचिव डॉ. शशिकांत द्विवेदी ने कहा कि हिंदी के आंचल में सभी भाषाओं का आदर और सम्मान है। हम सबके लिए भाषा मां की तरह है और उसके प्रति वही भाव रखा जाना चाहिए जो अपनी मां के प्रति रखते हैं। विशिष्ट अतिथि राजवीर रतन ने भाषा के उच्चारण पर ध्यान देने तथा बोलचाल में हिन्दी का प्रयोग करने पर बल दिया। इसाबेला थोबर्न कॉलेज की प्राचार्या डॉ. वी. प्रकाश ने हिंदी से भारतीय भाषाओं का अनुवाद एवं अंग्रेजी भाषा में अनुवाद द्वारा हिंदी भाषा के विकास की बात कही। विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि हिंदी भारतीय भाषाओं का समुच्चय है और हम अपनी मातृभाषा के द्वारा ही अपने देश की उन्नति कर सकते हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वस्ति संकृत द्वारा सरस्वती वंदना नृत्य से हुआ। आयुषी दीक्षित ने गीत हिंदी हमारी आन है हिंदी हमारी शान है, हिंदी हमारी चेतना वाणी का शुभ वरदान है, चेतना तिवारी ने मैं उस देश की बेटी हूँ सुनाया। वर्षा शर्मा, नव्यांशी मिश्रा, भूमी वर्मा आदि ने भी काव्य पाठ किया वहीं श्रेया अग्रवाल ने हिंदी की उपादेयता पर प्रकाश डाला। वृति ने भरतनाट्यम नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। उन्नति गिरी, तनुजा बिष्ट, वामाक्षा शंकर, समृद्धि सेठ, अंशिका यादव एवं गरिमा राजपूत ने कार्यक्रम का संचालन किया। स्निग्धा मिश्रा ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया गया।

बारहमासा

(प्रस्तुत गीत पावस ऋतु में गायी जाने वाली लोकशैली पर आधारित है। धुन पारम्परिक और ताल कहरवा है। अवधी लोकभाषा में इसकी रचना भातखंडे संगीत संस्थान (वर्तमान में भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय) से अवकाश प्राप्त संगीत विदुषी प्रो. कमला श्रीवास्तव ने की है।)

आवा असाढ़ घिरि आये बदरा,
मोरे पिया परदेश हो,
सावन मा रिमझिम मेहा बरसे,
भेजे न एको सन्देश हो।

भादो मा गहरी अंधेरी रतियां,
बिजुरी कड़क देवै क्लेस हो
क्वार महिनवा मा बदरा बगरिगे,
अजहुं न लौटे स्वदेस हो।

कार्तिक मास कै धूप सुहावन,
हमरे तो उलझे केस हो
अगहन मास मा आस लगायौं,
बलमा बिराजैं बिदेस हो।

पूस माह मा थर थर काप्यो,
ताप अगन कै विसेस हो
माघ महिनवा मा मघवा नहायौं,
पूज्यौं विसुन महेस हो।

फागुन मास सब रंग उछारैं,
हम तो धरयों जोगन भेस हो
चैत महिनवा मा चैती सुनावैं,
भावै न आपन देस हो।

आय गवा बैसाख महिनवा,
रहि गा एक मास सेस हो
जेठ मास कै तप झुलसावै,
रहि गयी आस असेस हो।

बरहो महिनवा बिरह मा बीते,
हुइ गयी पातर देह हो,
बीती जावै उमिरिया निगोरी,
घरे कब करिहैं प्रबेस हो।

रचनाकार – संगीत विदुषी प्रो. कमला श्रीवास्तव
चौपाल चौधरी, लोक संस्कृति शोध संस्थान

पितृ पक्ष : कैसे लगता है पितृ दोष? इन उपायों से पाई जा सकती है मुक्ति

पितृ दोष के लक्षण और उपाय : किसी जातक की कुंडली में अगर पितृ दोष हो तो उसकी तरक्की रुक जाती है. उसको धन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है और जीवन में समस्याएं खत्म होने का नाम नहीं लेती हैं.

पितृ दोष उपाय : पितृ पक्ष 29 सितंबर से शुरू होकर 14 अक्टूबर तक चलेगा. इस दौरान लोग पिंडदान, तर्पण कर पितरों का प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं. कुंडली में अगर पितृ दोष हो तो यह पक्ष इससे मुक्ति पाने के लिए सबसे बढ़िया माना जाता है. इसके लिए ज्योतिष शास्त्र में कई उपाय भी बताए गए हैं. हालांकि, पितृ दोष होता क्या है और यह लगता कैसे है, यह सवाल अक्सर लोगों के मन में आता होगा. ऐसे में आइए जानते हैं कि पितृ दोष क्या है और इससे मुक्ति पाने के उपाय क्या हैं.

गलतियां : पितृ दोष जानी–अनजानी गलतियों के कारण उत्पन्न होता है. पूर्व जन्म के पापों के कारण या पितरों के श्राप के कारण भी कुंडली में पितृ दोष प्रकट होता है. जिस जातक की कुंडली में पितृ दोष हो तो उसके पिता को मृत्युतुल्य कष्ट का सामना करना पड़ता है. इंसान का भाग्य रुठने लगता है और तरक्की व धन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है.

भाग्य भाव : किसी जातक की कुंडली में भाग्य भाव या धर्म घर क्रूर व पापी ग्रहों से पीड़ित हो जाए तो यह पूर्वजों की नाराजगी व अधूरी इच्छाओं की ओर इशारा करता है. इसके अतिरिक्त सूर्य और चंद्र यदि राहु या केतु से पीड़ित हो जाए तो भी पितृ दोष माना जाता है.

उपाय : सोमवती अमावस्या को पीपल के पेड़ की पूजा करने के पश्चात् एक जनेऊ पीपल के पेड़ और एक जनेऊ भगवान विष्णु के नाम का उसी पीपल को दीजिए. फिर उस पेड़ की परिक्रमा करें. मिठाई अपनी सामर्थ्यनुसार पीपल को अर्पित कीजिए. परिक्रमा करते वक्त 'ऊं नमों भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप करते रहें. इसके बाद क्षमा प्रार्थना करें.

– कौओं और मछलियों को चावल और घी मिलाकर बनाए गए लड्डू को हर शनिवार खिलाएं.

–'ऊं नमः शिवाय' मंत्र का प्रतिदिन एक बार माला जप करें, नाग पंचमी का व्रत रखें व नाग प्रतिमा की अंगूठी पहनें.

–सूर्य अथवा चंद्र ग्रहण के दिन अनाज से तुला दान करना चाहिए ऐसा करने से लगा श्राप कम होता है.

–पुष्य नक्षत्र को महादेव पर जल एवं दुग्ध चढ़ाएं तथा रुद्र का जप एवं अभिषेक करें या हर सोमवार को दही से महादेव का 'ऊं हर– हर महादेव' कहते हुए अभिषेक करें.

–शिवलिंग पर तांबे का सर्प अनुष्ठान पूर्वक चढ़ाएं. साथ ही पितरों के मोक्ष के उपाय करें, श्राद्ध पक्ष में पितरों का श्राद्ध करें.

–कुलदेवता की पूजा अर्चना भी नित्य करनी चाहिए.

चाणक्य नीति : अगर बनना चाहते हैं कुशल नायक तो चाणक्य की इन 3 नीतियों को रखें याद

आचार्य चाणक्य की नीतियों में सफलता प्राप्त करने के रहस्य छिपे हुए हैं। वर्तमान समय में न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी चाणक्य नीति को फॉलो करते हैं।

बता दें कि आचार्य चाणक्य ने एक कुशल नायक बनने के लिए कई गुणों के विषय में बताया है. तो आइए जानते हैं एक कुशल नायक बनने के लिए चाणक्य ने क्या कहा है :

अपनी योजनाओं का खुलासा न करें : चाणक्य के अनुसार एक अच्छा नायक अपने प्रतिद्वंदियों के सामने अपनी योजनाओं का खुलासा कभी नहीं करता है। योजनाओं की चर्चा करने से पराजय का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए अपने दल के अलावा किसी अन्य के साथ महत्वपूर्ण जानकारी न बाटें।

कोई भी काम सावधानी से करें : चाणक्य का कहना है कि जब तक कोई काम सफलतापूर्वक पूरा न हो जाए तब तक एक कुशल नायक को हर समय सतर्कता बरतनी चाहिए। जल्दबाजी में किया हुआ काम कभी भी सही नहीं होता है।

सिर्फ इतना ही नहीं टीम के हर एक सदस्य से सुझाव भी लेना चाहिए। ताकि सभी लोग उस बात से जागरूक रहें। ऐसा करने से कार्य में रचनात्मकता आती है और सफलता के नए अवसर प्राप्त होते हैं।

धैर्य बनाएं रखें : चाणक्य के अनुसार कार्य को योजनाबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए धैर्य रखना जरुरी है। जल्दबाजी में किए गए काम में लापरवाही का खतरा निरंतर बना रहता है। जिससे आपके कड़ी मेहनत से किया गया काम भी मिनटों में बर्बाद हो सकता है। इसलिए धैर्य व संयम का साथ कभी ना छोड़ें।

नवरात्रि के पहले घर से निकाल फेकें ये चीजें, जो मां को नहीं बिल्कुल पसंद

दीपावली को कुछ ही दिन है, जिसके चलते घरों में साफ–सफाई शुरू हो जाएगी। पर इससे पहले आ रही हैं मां दुर्गा यानि नवरात्रि। ऐसे में आपको इस बात का ध्यान रखना है कि घरों से उन चीजों को सबसे पहले बाहर निकाल फेकना हैं। जो मां दुर्गा को बिल्कुल पसंद नहीं है। जी हां ज्योतिषाचार्यों की मानें तो घर में ये रखी चीजें दरिद्रता का सूचक होती हैं साथ ही इनके होने से मां काली का आशीर्वाद आपको नहीं मिल पाता। तो चलिए जानते हैं कौन सी हैं वे चीजें।

प्याज लहसुन : अगर आपके घर में प्याज–लहसुन और मास मच्छी का उपयोग होता है तो इसे भूलकर भी नवरात्रि के दौरान घर में न रखें। इन्हें तुरंत घर से निकाल फेकें। जहां तक संभव हो पूरे नौ दिन घर में बगैर प्याज–लहसुन के भोजन बनाएं। पुराने जूते–चप्पल : आपको बता दें यदि आपके घर में पुराने कटे–फटे जूता चप्पल रखें हैं तो इन्हें नवरात्रि के पहले ही तुरंत घर से निकाल फेकें। इस तरह की चीजें घर में नकारात्मक एनर्जी लाती हैं। ऐसे में जरूरी है कि घरों से ये चीजें बाहर कर दी जाएं। बंद घड़ी : यदि घर में किसी भी तरह की बेकार और खराब घड़ी पड़ी है तो इसे तुरंत बाहर निकाल फेकें। ये इस तरह की घड़ियां आपकी तरक्की तो रोकती ही हैं साथ ही साथ आपके जीवन में रूकावटें भी लाती हैं। खराब पड़ी खाद्य सामग्री और अचार : आपको बता दें घर में पड़ी खराब चीजें आपका दुर्भाग्य ला राकती हैं। इराका कारण ये है कि घर में रखी ये चीजें मां को बिल्कुल पसंद नहीं हैं।

खंडित मूर्तियां : अगर आपके घर में किसी भी भगवान की खंडित प्रतिमाएं रखी हैं, तो आप नवरात्रि पर तुरंत बाहर निकाल फेकें। ये आपका दुर्भाग्य ला सकती हैं।

भक्तों ने बप्पा को पहनाया गजरा, पंडाल में गूंजे जयकारे

लखनऊ (यूएनएस)। कोलकाता के भजन गायक संजय शर्मा ने जब रंग बिरंगा गजरा तैयार है हे गणेश गजानन तुम्हारा इंतजार है..., सुनाया तो पंडाल में गणपति बप्पा के जयकारों से गूंज उठा। मौका था श्री गणेश प्राकट्य कमेटी की ओर से झूलेलाल वाटिका में चल रहे 18वें श्री गणेश महोत्सव का। कार्यक्रम की शुआत प्रातः 9 बजे ''मनीतियों के राजा'' के पूजन से हुई। उसके बाद शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत कोलकाता के संजय शर्मा के निर्देशन में भगवान गणेश की नृत्य आरती से हुई। इस नृत्य आरती में चार लंबे दीपकों से गजानन की आरती संपन्न हुई। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अगले चरण में द्रोपदी चीर हरण नृत्य नाटिका का मंचन किया गया। उसके बाद पंचमुखी हनुमान जी के अवतार पर एक नृत्य नाटक का मंचन हुआ। जिसमें त्रेता युग में हनुमान जी की कथा को दिखाया गया। आज मुख्य आकर्षण गजरे का कार्यक्रम था। कमेटी के लोगों ने भगवान गणेश को 8 फुट लंबी आकर्षक रंग–बिरंगे खुशबू के फूलों से तैयार माला को गजानन को भेंट किया। यह माला भी कोलकाता के कारीगरों द्वारा तैयार की गई थी। कमेटी के भारत भूषण गुप्ता, घनश्याम दास अग्रवाल, योगेश बंसल, संजय सिंह गांधी, रंजीत सिंह महिलाओं में संध्या बंसल, रुक्मिणी देवी, नीमी बंसल, नीरजा सिंह, अंशु बंसल, अंजू गुप्ता, आंचल गोयल आदि लोगों जब गजरा को पंडाल में लेकर आए तो संजय शर्मा ने एक भजन सुनाया रंग बिरंगा गजरा तैयार है हे गणेश गजानन तुम्हारा इंतजार है..., उसके बाद दूसरा भजन फूल का गजरा ऐसा लगता जैसे हीरो का हार हो....., । सुनाया तो कमेटी के सदस्यों के साथ–साथ पांडाल में मौजूद हर श्रद्धालु भक्त झूमने लगा और बप्पा के जयकारों से पंडाल गूंज उठा। कमेटी के संरक्षक भारत भूषण गुप्ता ने बताया कि भगवान गणेश का श्रृंगार प्रतिदिन कोलकाता के कारीगरों द्वारा ही तैयार किया जाता है।

राष्ट्रीय पुस्तक मेले में प्रदर्शित होंगे पं. श्रीराम शर्मा

लखनऊ। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत बलरामपुर गार्डेन लखनऊ में 22 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2023 को आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक मेले में युग ऋषि का सम्पूर्ण साहित्य प्रदर्शित किया जायेगा।

'आधी आबादी' के आरक्षण का दाव

पिछले कुछ सालों से चुनावों में महिला मतदाताओं का प्रतिशत पुरुषों से कहीं ज्यादा रहा है। मोदी सरकार ने देश की आधी आबादी को हक दिलाने का ऐसा दाव खेला है जो बड़ों-बड़ों को चित्त कर देगा। विशेष सत्र से पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कई दलों ने महिला आरक्षण विधेयक लाने और उसे पारित करने की जोरदार वकालत की है लेकिन सरकार की तरफसे कहा गया है कि उचित समय पर उचित निर्णय लिया जाएगा। लगभग 27 सालों से लंबित महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा जरूर हुई।

कमल तिवारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में इतिहास बदलने की क्षमता भी है और इच्छा शक्ति भी है। मोदी सरकार ने राष्ट्रीय मुद्दों पर हमेशा ही दृढ़शक्ति का परिचय दिया है। नरेन्द्र मोदी हमेशा राजनीतिक धुरंधरों और देशवासियों को चौंकाते रहे हैं। इस बार भी उन्होंने ऐसा मास्टर स्ट्रोक लगाया है कि सभी हैरान रह गए हैं। नई संसद में विशेष सत्र शुरू होते ही मोदी सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक पेश कर दिया है। अब इसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से लोकसभा में पेश किया गया है। इस विधेयक का लम्बे अर्से से इंतजार किया जा रहा था। पिछले कुछ सालों से चुनावों में महिला मतदाताओं का प्रतिशत पुरुषों से कहीं ज्यादा रहा है। मोदी सरकार ने देश की आधी आबादी को हक दिलाने का ऐसा दाव खेला है जो बड़ों-बड़ों को चित्त कर देगा। विशेष सत्र से पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कई दलों ने महिला आरक्षण विधेयक लाने और उसे पारित करने की जोरदार वकालत की है लेकिन सरकार की तरफसे कहा गया है कि उचित समय पर उचित निर्णय लिया जाएगा। लगभग 27 सालों से लंबित महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा जरूर हुई। क्योंकि यह विधेयक संविधान संशोधन विधेयक है। इसलिए यह इतना आसान भी नहीं है। मूल प्रश्न यह है कि यह विधेयक पारित होते ही संसद का पूरा स्वरूप ही बदल जाएगा। भाजपा और कांग्रेस ने हमेशा इस विधेयक का समर्थन किया। हालांकि कुछ अन्य दलों ने महिला कोटा के भीतर ओबीसी आरक्षण की कुछ मांगों को लेकर इसका विरोध किया। इस मुद्दे पर आखिरी बार कदम 2010 में उठाया गया था। जब मनमोहन सिंह शासन के दौरान राज्यसभा ने हंगामे के बीच इस बिल को पारित कर दिया था और मार्शलों ने कुछ सांसदों को बाहर कर दिया था जिन्होंने महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण का विरोध किया था। हालांकि यह विधेयक रद्द हो गया क्योंकि यह लोकसभा में पारित नहीं हो सका। 2008 से पहले इस बिल को 1996, 1998, 1999 में पेश किया गया था। गीता मुखर्जी की अध्यक्षता में एक संयुक्त संसदीय समिति ने 1996 के विधेयक की जांच की थी और सात सिफारिशें की थी। तब से यह बिल लटका ही पड़ा है। 2010 में जब यह विधेयक राज्यसभा में पारित किया गया था तब समाजवादी पार्टी के मुलायम सिंह यादव, राजग के लालू प्रसाद यादव के कड़े विरोध के कारण इसे आगे नहीं बढ़ाया जा सक तब कई नेताओं ने विधेयक में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए कोटा के भीतर कोटा की मांग की थी। इससे पहले 1993 में संविधान में 73वां और 74वां संशोधन किया गया था जिसमें पंचायत और नगरीय निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई थी। इसके अलावा देश के कम से कम 20 राज्यों में पंचायत स्तर पर महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दे रखा है। वर्तमान में 70वीं लोकसभा में केवल 15 प्रतिशत महिला सांसद हैं और राज्यसभा में सिर्फ12.2 प्रतिशत महिला सांसद हैं। यह वैश्विक औसत से 25.5 प्रतिशत से काफी कम है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर विरोधियों का मानना है कि इससे केवल शहरी महिलाओं को फायदा होगा और इससे ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी नहीं हो पाएगी। 1998 में जब संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश किया गया था तब जहानाबाद के राजद सांसद सुरेन्द्र यादव इतने गुस्से में थे कि उन्होंने तत्कालीन उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण अडवाणी के हाथों से बिल की कापी लेकर फाड़ दी थी। लोकसभा में सांसदों की संख्या 543 है। वहीं महिला सांसदों की संख्या 78 है, इसका मतलब लगभग 14 प्रतिशत महिला सांसद हैं। जबकि राज्यसभा में 250 में से 32 सांसद ही महिला हैं यानी 11प्रतिशत हैं। वहीं मोदी सरकार में महिलाओं की हिस्सेदारी 5प्रतिशत के आसपास है। अगर ये विधेयक लागू हो जाता है तो लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या 181 तक हो जायेगी। महिला आरक्षण समर्थकों का कहना है कि अगर महिलाओं को संसद में पुरुषों के बराबरी का स्थान मिल जाता है तो विश्व में भारत की छवि बेहतर हो जाएगी। हमारे समाज में महिलाओं की स्थिति बहुत दयनीय है। इस विधेयक के फायदों पर गौर करें तो इससे भारत की महिलाएं ज्यादा सशक्त होंगी। लिंग के आधार पर होने वाला भेदभाव कम होगा। जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होंगी। संसद मात्र पुरुष सत्ता का केंद्र भर सीमित नहीं होगा और राष्ट्रीय स्तर पर कानून बनाने में महिलाओं की भागीदारी में भी इजाफा होगा। साथ ही दुनिया में भारतीय महिलाओं का सम्मान बढ़ेगा।फिलहाल यह बिल पारित कराने में सभी राजनीतिक दलों में इच्छाशक्ति का अभाव नजर आ रहा है। देश की आधी आबादी को अपना हक कब मिलेगा इसका जवाब हमेशा गोल-मोल ढंग से दिया जाता रहा है। कई राज्य विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व तो 10 प्रतिशत से भी कम है। महिला आरक्षण पर सुगबुगाहट तो तेज होती है।

लगभग सभी राजनीतिक दल विधायिका में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का समर्थन करते हैं लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात ही निकलता है। महिला संगठन अपनी इस मांग को लेकर आंदोलन भी करते रहे हैं लेकिन यह बिल दांव-पेचों के चलते लटकता ही रहा है। यह ऐतिहासिक अवसर है कि सभी राजनीतिक दल इस पर स्वस्थ चर्चा कर इस विधेयक को पारित कराएं और देश की आधी आबादी का सपना साकार करें। जैसा कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर ने कहा था कि महिला के सशक्तिकरण से परिवार और समाज सशक्त होता है।

अटल भूजल योजना: दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला प्रारम्भ

लखनऊ (यूएनएस)। दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान द्वारा विश्व बैंक व राज्य भूगर्भ जल निदेशालय के सहयोग से संस्थान पर अटल भूजल योजनान्तर्गत दो दिवसीय आवासीय राज्य स्तरीय स्कीम प्लानिंग ,इम्प्लीमेंटेशन एंड रिफ्लेक्शन एंड वे टू वर्ड्स विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम 20-21 सितम्बर की अवधि में आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के ग्राम विकास, वन एवं जलवायु परिवर्तन, सिंचाई एवं जल संसाधन, लघु सिंचाई, कृषि, पंचायती राज तथा उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के जन संचार विशेषज्ञों तथा जिला स्तरीय संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय सम्बोधन के अन्तर्गत संस्थान के अपर निदेशक बीडी चौधरी द्वारा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि इस योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भूजल संसाधनों के प्रबंधन के दृष्टिगत सुधार तथा केन्द्र,राज्य सरकारों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के कन्वर्जेन्स के द्वारा समुदाय के नेतृत्व मे टिकाऊ भूजल प्रबंधन कार्यों को करना है।विवेकपूर्ण तरीके से जल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए व्यवहार में परिवर्तन लाना, चिन्हित क्षेत्रों में जल स्त्रोतों का पुनरूद्धार करना एवं नये जल स्त्रोतो का निर्माण करना, चिन्हित क्षेत्रों में भूजल स्थिरता में सुधार लाना, किसानों की आय दुगनी करने के लक्ष्य में योगदान करना तथा सामूहिक भागीदारी द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर जल प्रबंधन के साथ-साथ भूगर्भ जल स्तर को बढ़ाना है।राज्य भूगर्भ जल निदेशालय के अधिशासी अभियंता अनुपम श्रीवास्तव द्वारा प्रतिभागियों को बताया गया कि भूजल संबंधित उपकरणों संयंत्रों की उपयोगिता और इनसे क्या लाभ है।शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत अद्यतन रूप से विभिन्न प्रकार की सम्पादित की गई गतिविधियों पर पुर्नविचार किये जाने के साथ उन जन संचार सम्बन्धी गतिविधियों को अधिक उपयोगी बनाने हेतु परिमार्जित स्वरूप प्रदान करने के लिए जन संचार विशेषज्ञों द्वारा सम्बन्धित सत्रों के दौरान विधिवत चर्चा भी की गई।

आरक्षण नहीं बल्कि प्रलोभन देने वाला है बिल:मायावती

लखनऊ (यूएनएस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोगों को भ्रमित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह बिल महिलाओं को आरक्षण देने के इरादे से नहीं लाया गया है। बल्कि आगामी चुनाव से पहले महिलाओं को प्रलोभन देने के लिए लाया गया है। मायावती ने बुधवार को एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा कि महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में उनकी पार्टी शुरु से है और महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने वाले इस बिल के तत्काल प्रभाव से लागू करने की वकालत करती है। मगर सरकार का यह कहना है कि बिल के पारित होने के बाद इसे तुरंत लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बिल के मुताबिक, आने वाले 15-16 सालों में देश में महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया जाएगा।

इस बिल के पास होने के बाद इसे तुरंत लागू नहीं किया जा सकेगा। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि सबसे पहले देश में जनगणना कराई जाएगी और इसके बाद सीटों का परिसीमन किया जाएगा। जनगणना में काफी समय लगता है। इसके बाद ही यह बिल लागू होगा। इससे साफ है कि यह बिल महिलाओं को आरक्षण देने के इरादे से नहीं लाया गया है।

राम जन्मभूमि आंदोलन के सूत्रधार परम पूज्य शंकराचार्यों को किनारे करने वाले उपदेश न दें : रामगोविंद चौधरी

बलिया। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बीना मध्य प्रदेश के एक जनसभा में भाषण के दौरान विपक्षी गठबंधन पर सनातन संस्ति को खत्म करने के आरोप लगाया गया जिसपर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और उत्तर प्रदेश के पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने सोमवार को एक बयान जारी कर भाजपा को आड़े हाथों लेते कहा कि यहां सनातन धर्म की बात की जा रही है। भारत सनातन धर्म का देश है सनातन धर्म क्या कहता है। ये हमें समझा रहे है जो स्वंय धर्म के मर्म को जानकर भी झूठ फैला रहे है। भाजपा का लक्ष्य है देश की जनता का ध्यान मोड़ कर धन और वोट हासिल करना मात्र। राम जन्मभूमि आंदोलन के सूत्रधार परम पूज्य शंकराचार्यों को किनारे करने बाले उपदेश न दें। सनातन ध

र्म हम सबका है हम इन्हें धर्म का ठेकेदार नहीं बनने देगें। सनातन संस्ति की परम्परा में अर्ध कुम्भ को कुम्भ कहने वालो ने जिस तरह रामजन्मभूमि ट्रस्ट में परम पूज्य शंकराचार्यो को शामिल न कर देश विदेश के करोड़ों सनातन धर्म प्रेमीयो के अपमान पर भाजपा को जनता अब सबक जरूर सिखायेगी।

श्री चौधरी ने कहा कि भाजपा एक ही खेल खेल रही है कि कैसे जनता का ध्यान मूल समस्याओ से मोड़ा जाए। कैसे देश में धार्मिक विवाद हो, ताकि असली बातों से ध्यान हट जाएं। मैनपुरी लोकसभा और घोसी विधानसभा उप चुनाव परिणाम के बाद भाजपा हताशा और निराशा में है वह समझ गयी है कि 2024 के चुनाव के चुनाव में जनता जुमालेबाजी को नकार देगी। प्रधान मंत्री का वादा 15 लाख का नहीं मिला जनता को आधा। देश में भाजपा का मूल चेहरा उजागर हो गया है। मप्र में जिस प्रकार शिवराज भाजपा, महाराज भाजपा, और नाराज भाजपा बन गयी है वही स्थिति दिल्ली में भी है। राष्ट्रवाद और सेना के मुद्दे इनके लिए मात्र बोट के लिए बनावटी, दिखावटी, मिलावटी और सजावटी है। देश और प्रदेश में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति व्यापक जन आक्रोश है।

नीले आसमान के लिए स्वच्छ हवा

कार्यक्रम पर विशेष प्रस्तुति :–

स्वच्छ हवा पर संकट छाया

स्वच्छ हवा पर संकट छाया,
धूल धुवां कण राख मिलाया,
स्वच्छ हवा ही प्राण वायु है,
फिर भी हमने जहर मिलाया,
स्वच्छ हवा पर संकट छाया।

अंधाधुंध हैं चलती कारें,
ट्रक बस ट्रेन ने धुवां उड़ाया,
वायुयान सब हवा में उड़कर,
प्राण वायु में जहर मिलाया,
स्वच्छ हवा पर संकट छाया।

कल कारखाने खड़े धारा पर,
चिमनी ने कालिख पहुंचाया,
बालू पत्थर कंक्रीट कण,
आंखो में किरकिरी मचाया,
स्वच्छ हवा पर संकट छाया।

वन उजाड़ कर उन्हें जलाया,
सड़क भवन वा शहर बसाया,
उड़ती आंधी धूल बवंडर,
सांसों पर संकट गहराया,
स्वच्छ हवा पर संकट छाया।

शीतल मंद समीर है दुर्लभ,
प्रदूषकों ने गदर मचाया,
जीव जंतु पशु पक्षी मरते,
बीमारियों ने कहर ढहाया,
स्वच्छ हवा पर संकट छाया।

झील तालाब में सड़ता कचरा,
चारों तरफ दुर्गंध मचाया,
मंद सुगंधित झोंको पर अब,
दुर्गंधो ने धौंस जमाया,
स्वच्छ हवा पर संकट छाया।

बढ़ती जनसंख्या का संकट,
पर्यावरण का क्षरण कराया,
अंधाधुंध विदोहन वन का,
जीव जंतु पतन कराया,
स्वच्छ हवा पर संकट छाया।

सुनील कुमार यादव
जिला मलेरिया अधिकारी, बलिया।

संस्कार भारती के तत्वावधान में 'बालगोकुलम' कार्यक्रम का आयोजन

बलिया। संस्कार भारती बलिया के तत्वावधान में टाउन हाल में 'बालगोकुलम' राधा–कृष्ण रूप सज्जा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ नपा चेयरमैन संत कुमार मिठाईलाल ने कुंवर सिंह इण्टर कालेज के प्राचार्य शशि कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक तुलसीराम जी के साथ संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा पर मल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया। राधा–कृष्ण के रूप में राजश्री पब्लिक स्कूल नगवा, किडजी स्कूल प्रोफेसर कालोनी, बचपन प्ले स्कूल–बहादुरपुर, स्प्रिंग डेल–बनकटा, सरस्वती शिशु मंदिर जगदीशपुर, सरस्वती शिशु मंदिर भृगु आश्रम के छात्र–छात्रा थे। बच्चों की प्रस्तुति ने मौजूद सभी अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाले कलाकारों में केपी मेमोरियल विद्यालय के छात्र छात्राएं, अनुभा राय, ओमप्रकाश व छोटेलाल प्रजापति थे। नृत्य–कलाकारों में रानी वर्मा, आरती वर्मा, ऐशानी, गणेश यादव ने अपने प्रदर्शन से दर्शकों मन मोह लिया। तबले पर शानदार संगत देवांश ओझा ने किया।

इस दौरान नगर भाजपा अध्यक्ष अभिषेक सोनी, संस्कार भारती के जिलाध्यक्ष पं राजकुमार मिश्र जी, संगीत प्रमुख रश्मि पाल, नलिन पांडेय, साहित्य प्रमुख शिवजी पाण्डेय 'रसराज' नाट्य प्रमुख अभय सिंह कुशवाहा, महामंत्री राकेश कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष विशाल जी, मंत्री अनुभा राय, सह मंत्री कृष्णा वर्मा जी उपाध्यक्ष नलिन पांडे जी मौजूद रहे। अध्यक्षता प्रमोद सर्राफ व संचालन संस्कार भारती के अध्यक्ष राजकुमार मिश्र व संरक्षक भोला प्रसाद आग्नेय जी ने संयुक्त रूप से किया।

निकाय कार्मिकों ने की आन्दोलन की घोषणा

लखनऊ (यूएनएस)। स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ वर्ष 2017 से लगातार निकाय कर्मचारियों की सेवा सम्बन्धी एवं प्रमुख लम्बित समस्याओं के समाधान हेतु सैकड़ों ध्यानाकर्षण,आन्दोलन,ज्ञापन,पत्राचार आदि के माध्यम से प्रदेश सरकार,शासन के संज्ञान में लाते हुए निकाय कर्मचारियों की पीड़ा से प्रधानमंत्री एवं रक्षामंत्री का भी ध्यानाकर्षण,अनुरोध किया जा चुका है। मांगों को लेकर महासंघ के साथ प्रमुख रूप से गत वर्षों में 04 बैठकें नगर विकास स्तर पर हुई। जिसमें वर्ष 2019 में मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव, वर्ष 2021 में डा. रजनीश दूबे, अपर मुख्य सचिव, वर्ष 2022 मे अनिल कुमार द्वितीय, प्रमुख सचिव,अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव, नगर विकास सक 12 मई, 2023 को महासंघ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई पर किसी भी बिन्दु पर आज तक काई निर्णय, आदेश जारी नहीं किया जा सका।

13 जनपदों के अन्तर्गत कतिपय पैकेजों/मार्गों के निर्माण में बाधक वृक्षों के पातन हेतु 10 करोड़ 48 लाख से अधिक की धनराशि अवमुक्त

लखनऊ 20 सितम्बर 2023। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज–3 के अंतर्गत जनपद अमेठी, आजमगढ़, बस्ती, देवरिया, गोरखपुर, ललितपुर, लखनऊ, मऊ, मिर्जापुर, प्रयागराज, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र एवं उन्नाव में पीएमजीएसवाई–थर्ड फेज के अंतर्गत एफ0 डी0 आर0 तकनीक से निर्माणाधीन कतिपय पैकेज/मार्गों के निर्माण में बाधक वृक्षों के पातन हेतु कुल रू० 10,41,59,565.00 (रुपये दस करोड़ इकतालीस लाख उनसठ हजार पांच सौ पैंसठ) की धनराशि अवमुक्त किये जाने स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। जारी शासनादेश में सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि स्वीकृत की गयी धनराशि का व्यय योजनान्तर्गत निर्धारित गाइडलाइन्स/दिशा–निर्देशों में उल्लिखित व्यवस्था एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त व्यवस्था के अन्तर्गत किया जाय और धनराशि के आहरण के संबंध में मितव्ययिता संबंधी समय–समय पर निर्गत शासनादेशों एवं वित्तीय नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उक्त जानकारी बी एल यादव/रवी यादव सूचना अधिकारी ने दी।

श्याम सुन्दर श्रीवास्तव के निधन पर शोकसभा

लखनऊ (यूएनएस)। सौ साल से ज्यादा की उम्र में उत्तर प्रदेश सचिवालय पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य, पदाधिकारी श्याम सुन्दर श्रीवास्तव के निधन पर एसोएिशन के पदाधिकारियों द्वारा शोकसभा आयोजित कर उनके कृतित्व और एसोसिएशन के प्रति उनके समर्थन को याद कर श्रृंद्धाजलि दी गई। एसोसिएशन के तरफसे ओंकार नाथ तिवारी ने बताया कि एसोसिएशन के अध्यक्ष पी.के. शर्मा की अध्यक्षता और सचिव एस.पी. त्रिपाठी ने शोकसभा का संचालन किया।

अमेठी: मरीजों की जान लेने वाले अस्पतालों को नहीं बख्शेंगे संजय गांधी अस्पताल विवाद पर बोले डिप्टी सीएम

लखनऊ। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस निलंबित किए जाने को लेकर बयान दिया है। अस्पताल का लाइसेंस निलंबित करने को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था।

अमेठी के संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस को निलंबित करने के मामले में विवाद बढ़ता जा रहा है। इस पर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री व उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर मामला है। अस्पताल की लापरवाही के कारण एक बेटी की जान चली गई। स्थानीय स्तर की टीम की जांच के बाद यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि हम पूरे प्रदेश के अस्पतालों को रेगुलराइज कर रहे हैं। लापरवाही के कारण मरीजों की जान लेने वाले अस्पतालों को बख्शा

नहीं जाएगा। कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि मुंसीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल में कोतवाली क्षेत्र मुसाफिरखाना के गांव राम शाहपुर निवासी अनुज शुक्ला की पत्नी दिव्या शुक्ला की मौत के मामले में संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर सभी सेवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसे लेकर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजय सिंह की अगुवाई में कर्मचारियों ने अस्पताल परिसर में नारेबाजी की। कर्मियों ने निलंबन समाप्त करने की मांग की है। कलेक्ट्रेट पहुंचकर संघ ने डीएम को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को दिया। कहा है कि संजय गांधी अस्पताल में वह बीते 35 वर्षों से कार्यरत हैं। अस्पताल पर कार्रवाई से यहां के कर्मचारियों की आजीविका पर संकट पैदा हो गया है। संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि कर्मचारी संघ के हितों की रक्षा के लिए आर पार की लड़ाई होगी। यदि उनकी मांगों को अनसुना किया गया तो वह न्यायालय की शरण के साथ अनशन करेंगे। अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि कर्मचारियों के सामने सबसे बड़ा संकट परिवार के भरण पोषण का है। संजय सिंह परिहार ने कहा कि मामले में निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

सियासी विद्वेष की भावना से कार्रवाई करने का आरोप

मामले में कांग्रेस ने सियासी विद्वेष की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। मरीजों के हितों में तत्काल अस्पताल की व्यवस्था बहाल कराने की मांग की है। इस संबंध में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय में मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कांग्रेस अध्यक्ष ने पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि मरीज की मौत मामले की कमेटी बनाकर जांच कराई जाए। लेकिन अस्पताल में मरीजों का उपचार नहीं रोका जाना चाहिए। उन्होंने अस्पताल के पंजीकरण के निरस्तीकरण आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की है। बताया कि अस्पताल कई दशक से स्थानीय और आसपास के जनपदों के लोगों को न्यूनतम शुल्क पर बिना लाभ के स्वास्थ्य सुविधाएं दे रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग ने गोरखपुर में की बैठक

16 जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ लोक सभा निर्वाचन को लेकर की चर्चा

कम मतदान प्रतिशत वाले बूथों को चिन्हित कर करें जागरूकता कार्यक्रम

युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने हेतु कैम्प आयोजित किये जाए

लखनऊ (यूएनएस)। लोक सभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग के अधिकारियों द्वारा उत्तर प्रदेश के जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ मतदाता सूची के पुनरीक्षण संबंधी कार्यों की समीक्षा बैठक की जा रही है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जनपद कानपुर नगर, वाराणसी, गोरखपुर, आगरा एवं मेरठ में 75 जनपदों के जिलाधिकारियों जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करने के क्रम में बुधवार 20 सितम्बर को गोरखपुर में तीसरी बैठक 16 जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ की गयी।भारत निर्वाचन आयोग की टीम ने वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त धर्मेन्द्र शर्मा एवं नितेश व्यास की अध्यक्षता में गोरखपुर के आयुक्त सभागार में 16 जनपदों गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, संतकबीर नगर, बस्ती, अम्बेडकर नगर, गोण्डा, बलरामपुर, सुलतानपुर, अयोध्या, बाराबंकी, बहराईच, श्रावस्ती तथा कौशाम्बी के जिलाधिकारियों जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी लोक सभा निर्वाचन की तैयारियों के परिप्रेक्ष्य में मतदाता सूची की तैयारियों के संबंध में चर्चा की। बैठक में जिलाधिकारियों जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदाता

सूची को शुद्ध बनाने हेतु अर्ह मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज करने, मृत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने, ईपी एवं जेण्डर रेशियो सुधारने के संबंध में निर्देश दिये गये। किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज होने से वंचित न रह जाए, इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किये जाए। 18-19 आयु वर्ग के युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने हेतु विश्वविद्यालयों, तकनीकी एवं मेडिकल कालेजों, आईटीआई, पालीटेक्निक आदि शैक्षणिक संस्थाओं में विशेष कैम्प आयोजित करने के निर्देश दिये गये।बैठक में जिलाधिकारियों जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिये कि विगत लोकसभा व विधानसभा सामान्य निर्वाचन में कम मतदान प्रतिशत वाले बूथों को चिन्हित कर मतदान प्रतिशत बढ़ाये जाने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराये जायें। बैठक में यह भी निर्देश दिये गये कि राजनैतिक दलों के साथ निरन्तर बैठकें आयोजित कर मतदाता सूची को शुद्ध बनाने में उनके भी सुझाव ले लिये जाएं तथा उनके सुझावों का गुण-दोष के आधार पर परीक्षण कर कार्यान्वित करने के संबंध में भी कदम उठाये जाएं।बैठक में भारत निर्वाचन आयोग के सचिव पवन दीवान एवं अवर सचिव प्रफुल्ल अवस्थी तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा के साथ अपरमुख्य निर्वाचन अधिकारी चन्द्रशेखर एवं कुमार विनीत, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष शुक्ल द्वारा प्रतिभाग किया गया।

नई संसद के पहले दिन ही भाजपा ने झूठ से शुरू की है पारी

लखनऊ (यूएनएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर सवाल उठाते हुए इसे आधा-अधूरा विधेयक करार दिया। उन्होंने कहा कि इस विधेयक का जवाब महिलाएं आगामी चुनावों में भाजपा के विरूद्ध वोट डालकर देंगी। अखिलेश यादव ने ट्वीट कर लिखा कि, ''नयी संसद के पहले दिन ही भाजपा सरकार ने 'महाझूठ से अपनी पारी शुरू की है। जब जनगणना और परिसीमन के बिना महिला आरक्षण बिल लागू हो ही नहीं सकता।

जिसमें कई साल लग जाएंगे, तो भाजपा सरकार को इस आपाधापी में महिलाओं से झूठ बोलने की क्या जरूरत थी। उन्होंने कहा, ''भाजपा सरकार न जनगणना के पक्ष में है न जातिगत गणना के, इनके बिना तो महिला आरक्षण संभव ही नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि ये आधा-अधूरा विधेयक 'महिला आरक्षण जैसे गंभीर विषय का उपहास है। इसका जवाब महिलाएं आगामी चुनावों में भाजपा के विरूद्ध वोट डालकर देंगी।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा प्रिंट आर्ट आफसेट, 33 कैण्ट रोड, लखनऊ से मुद्रित तथा प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग, विधानसभा मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
क्रिएटिव एडिटर
नैमिष सोनी
विशेष संवाददाता
सौरभ कुमार पाण्डेय
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल :janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।